16-8-23 पत्रावली पेश हुई वकील प्रार्थी उपस्थित प्रकरण मे वकील प्रार्थी की एक तरफा बहस सुनी गई वकील प्रार्थी ने अपनी एक तरफा बहस मे इस प्रकार से निवेदन किया है कि मौजा डोबिया प.ह. धांमचा की आराजी स. 113 मी. रकबा 2.1900 एवं आ.स. 142/113 रकबा 0.6500 है. भूमि प्रार्थीया के नाम दर्ज अंकित है। जिस पर प्रार्थीया के अलावा किसी अन्य का कोई हक अधिकार नही है। जिस पर प्रार्थीया की भूमि पर विपक्षी जो निकट रिस्तेदार भी है। जो प्रार्थीया की उक्त आराजीयात पर अतिक्रमण करना चाहता है एवं आये दिन लडाई झगडा कर उक्त आराजीयात के उपयोग उपभोग करने से रोकता है। अत: प्रार्थीया के कब्जे काश्त की आराजी स. 113 मी. व आ.स. 142/113 किता-2 कुल रकबा 2.8400 है. भूमि मे न तो स्वयं प्रवेश करे एवं न ही अन्य से प्रवेश करावे। प्रा.पत्र स्वीकार फरमाया जावे। प्रकरण मे वकील प्रार्थी की एक तरफा बहस सुनी गई प्रकरण मे विपक्षी को जरिये सम्मन से तलब किया जाने पर भी उपस्थित नही होने से एक तरफा कार्यवाही के आदेश दिये गये है। प्रकरण मे वकील प्रार्थी की एक तरफा बहस सुनी गई एवं प्रकरण मे प्रस्तुत दस्तावेजो का अवलोकन किया गया प्रकरण मे प्रस्तुत नकल जमाबन्दी सम्वत 2078-2078 खाता स. 13 आ.स. 113 मी. आ.स. 142/113 कुल किता 2 कुल रकबा 2.8400 है. भूमि गंगा बाई प्रति रामलाल भील के नाम खातेदार से दर्ज रिकार्ड है। जिसमे अन्य [illegible] का हक अधिकार नही है। अत: प्र[illegible] स्वीकार होने योग्य पाया जाता है।

अत: प्रार्थीया का प्रार्थना पत्र अ.धा. 212 R.T.A का स्वीकार किया जाता है और विपक्षी को जरिये अस्थाई निषेधाज्ञा से मूलवाद के निस्तारण तक पाबन्द किया जाता है कि मौजा डोबिया प.ह. धामचा के खाता स. 13 आराजी स. 113 मी. 142/113 कुल किता-2 कुल

Signature Not Verified
Digitally signed by Kailash Chand Gurjar
Date: 2023.10.19 16:16:12 IST
Reason: SelfAttested

28-3-23

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारिख अहकाम जो इस हुक्म की तारीख में जारी हुए

पंव न ही आयका कोई नौकर एजेन्ट रिश्तेदार आदि ही प्रवेश करें पंव न ही करावें। पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो। आदेश आज दिनांक 16-8-23 को लिखा जाकर सरे इजलास सुनाया गया।

Signature Not Verified

Digitally signed by Kailash Chand Gurjar
Date: 2023.10.19 16:16:12 IST
Reason: SelfAttested